2024

1. आजीवक सम्प्रदाय के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

A. नियतिवाद में विश्वास

B. उनके पुनर्जन्म के क्रम में बदलाव किया जा सकता है।

C. कठोर तपस्या में विश्वास

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

कूट :

(1) A और C सही हैं। (2) केवल A सही है।

(3) केवल B सही है। (4) A और B सही हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

आजीवक सम्प्रदाय

- **संस्थापक-** मक्खलि गोशाल
- आजीवक संप्रदाय नियतिवाद (Niyativada) या पूर्ण नियतिवाद में विश्वास करता था। इस संप्रदाय का मानना था कि ब्रह्मांड की सभी घटनाएँ नियति (भाग्य) नामक एक ब्रह्मांडीय शक्ति द्वारा पूर्व निर्धारित होती हैं, और मनुष्य में स्वतंत्र इच्छा नहीं होती। यह सिद्धांत कर्म और व्यक्तिगत प्रयास को पूर्णतः अस्वीकार करता था।
- आजीवक मत के अनुसार पुनर्जन्म का क्रम पूर्व निर्धारित है और इसमें कोई बदलाव संभव नहीं है। जहाँ जैन और बौद्ध धर्म मानते हैं कि व्यक्ति अपने कर्मों से पुनर्जन्म की स्थिति सुधार सकता है, वहीं आजीवक इसे पूर्णतः नकारते थे। उनका विश्वास था कि मोक्ष भी पूर्व निर्धारित है और व्यक्तिगत प्रयासों से इसे बदला नहीं जा सकता।
- आजीवक संप्रदाय के अनुयायी अत्यंत कठोर तपस्या करते थे। वे नग्न रहते थे, कीलों पर लेटते थे, आग से गुजरते थे, और अत्यधिक मौसम में खुद को उजागर करते थे। यद्यपि वे नियतिवाद में विश्वास करते थे, फिर भी वे तपस्या को नए कर्म के प्रवाह को रोकने के साधन के रूप में मानते थे।
- इस संप्रदाय का प्रभाव मुख्यतः मौर्य काल तक रहा। चंद्रगुप्त मौर्य व बिंदुसार जैसे शासक इसके अनुयायी रहे।

2. कुषाण वंश के कैडफिसेस द्वितीय ने निम्नलिखित में से कौन सी उपाधि धारण की ?

(1) सिंह चन्द्र (2) सकारी

(3) सर्वलोकेश्वर (4) महाक्षत्रप

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- कुषाण वंश के कैडफिसेस द्वितीय कुषाण वंश के एक प्रसिद्ध शासक थे, जिनका शासनकाल लगभग 95 से 127 ईस्वी के बीच माना जाता है।
- कुषाण शासक कैडफिसेस द्वितीय ने **'सर्वलोकेश्वर'** (सभी लोकों का स्वामी) की उपाधि धारण की।
- इस उपाधि का उपयोग वह अपने शासन को वैध और गौरवशाली बनाने के लिए करता था। उसने अपने सोने के सिक्कों पर भी यह उपाधि अंकित की, जो उसकी सर्वोच्च स्थिति को दर्शाती है।

3. स्तूपों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए -

A. 'स्तूप' शब्द एक वास्तुशिल्प शब्द है और इसका अर्थ है वह चीज जो कि संचय के माध्यम से बनाई हो।

B. मृतकों की स्मृति में 'स्तूप' बनाने की प्रथा बौद्धकाल से पूर्व की थी।

(1) A और B दोनों असत्य हैं।

(2) केवल A सत्य है।

(3) केवल B सत्य है।

(4) A और B दोनों सत्य हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- '**स्तूप**' (Stupa) शब्द का मूल अर्थ ढेर लगाना या संचय करना होता है। स्तूप एक गोलार्द्ध के आकार की संरचना है, जिसका निर्माण मिट्टी या पत्थरों को संचय (इकट्ठा) करके किया जाता था। यह वास्तुकला (आर्किटेक्चर) का एक विशिष्ट रूप है।
- हालाँकि स्तूप बौद्ध धर्म का एक प्रमुख प्रतीक बन गया, लेकिन मृतकों की याद या अवशेषों पर मिट्टी के टीले (स्तूप) बनाने की प्रथा बौद्धकाल से पहले (वैदिक काल या महापाषाण काल तक) की थी। गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद इस पुरानी परंपरा को बौद्ध धर्म ने अपनाया, जहाँ बुद्ध और उनके प्रमुख शिष्यों के शारीरिक अवशेषों (Relics) पर स्तूपों का निर्माण शुरू हुआ और इसे धार्मिक महत्त्व प्राप्त हुआ।

4. निम्न में से किन बौद्ध ग्रन्थों की रचना संस्कृत भाषा में की गई? निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए :

A. दिव्यावदान

B. दीपवंश

C. महावंश

D. आर्यमंजूश्री मूलकल्प

(1) A. C (2) A, B

(3) B, C (4) A, D

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- **दिव्यावदान -** यह बौद्ध कथाओं (अवदान साहित्य) का संग्रह है और इसकी रचना संस्कृत में हुई थी।
- **दीपवंश-** यह श्रीलंका का सबसे पुराना ऐतिहासिक रिकॉर्ड है और इसकी रचना पालि भाषा में हुई थी।
- **महावंश-** यह भी श्रीलंका का एक प्रमुख ऐतिहासिक महाकाव्य है और इसकी रचना पालि भाषा में हुई थी।
- **आर्यमंजूश्री मूलकल्प-** यह महायान बौद्ध धर्म से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है और इसकी रचना संस्कृत भाषा में की गई थी।

5. कृष्णदेवराय के दरबार में कवि मल्लनार्य ने 'भाव चिंता रत्न' एवं 'वीरशैवामृत' ग्रन्थ किस भाषा में लिखे थे?

(1) कन्नड़ (2) संस्कृत

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(3) तमिल (4) तेलुगू
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- कवि मल्लनार्य ने कृष्णदेवराय के दरबार में **'भाव चिंता रत्न'** और **'वीरशैवामृत'** ग्रंथ कन्नड़ भाषा में लिखे थे। ये दोनों ग्रंथ वीरशैव भक्ति, दर्शन और काव्य पर आधारित हैं और मल्लनार्य विजयनगर के प्रमुख कन्नड़ वीरशैव कवि थे।
- कृष्णदेवराय के दरबार में कई प्रसिद्ध कवि और विद्वान सम्मिलित थे, जिन्होंने विभिन्न भाषाओं विशेषकर तेलुगु, संस्कृत, कन्नड़ में रचनाएँ कीं।
- कृष्णदेवराय को **"अष्टदिग्गज"** या आठ महान कवियों की सभा के लिए भी जाना जाता है।

6. निम्न में से किन इमारतों का निर्माण सम्राट शेरशाह के द्वारा करवाया गया था ?

A. सासाराम का मकबरा B. किला-ए-कुह्न मस्जिद
C. सिकंदरा का मकबरा D. जामा मस्जिद
(1) B, D (2) A, B
(3) A, C (4) A, D
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- सम्राट शेरशाह सूरी (1540-1545 ई.) ने अपने छोटे शासनकाल में कई महत्वपूर्ण इमारतों और संरचनाओं का निर्माण करवाया। इनमें से दो प्रमुख इमारतें निम्न हैं:

– **सासाराम का मकबरा :** यह बिहार के सासाराम में स्थित है। यह मकबरा अफगान वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है और इसे शेरशाह ने अपने जीवनकाल में बनवाना शुरू किया था, जिसे उनकी मृत्यु के बाद 1545 ई. में उनके पुत्र इस्लाम शाह सूरी ने पूरा करवाया। यह एक कृत्रिम झील के बीच में स्थित है, जो इसे विशिष्ट बनाती है।

– **किला-ए-कुह्न मस्जिद :** यह दिल्ली में पुराना किला (शेरशाह के दीनपनाह शहर के अवशेष) के अंदर स्थित है। इसका निर्माण 1541 ई. में करवाया गया था। यह मस्जिद अपनी सुंदर मेहराबों, जटिल अलंकरणों और रंगीन टाइलों के उपयोग के लिए प्रसिद्ध है, जो लोदी शैली और बाद की मुगल शैली के बीच के संक्रमण को दर्शाती है।

– **सिकंदरा का मकबरा :** यह मकबरा अकबर का है और इसका निर्माण अकबर ने स्वयं शुरू करवाया था और इसे उनके पुत्र जहाँगीर ने 1613 ई. में पूरा करवाया था। यह आगरा के पास सिकंदरा में स्थित है।

– **जामा मस्जिद:** 'जामा मस्जिद' नाम से कई इमारतें हैं। दिल्ली की प्रसिद्ध जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था। शेरशाह ने स्वयं कोई जामा मस्जिद नहीं बनवाई थी, हालांकि उन्होंने कई मस्जिदों का जीर्णोद्धार या निर्माण करवाया था, जैसे कि किला-ए-कुह्न मस्जिद।

7. भक्ति आंदोलन के संबंध में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(1) रामानंद ने राम भक्ति परंपरा का प्रचार किया।
(2) वल्लभाचार्य ने पुष्टिमार्ग की स्थापना की।
(3) निम्बार्क ने द्वैताद्वैत के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
(4) माध्वाचार्य ने सगुण भक्ति के स्थान पर निर्गुण भक्ति सिद्धांत को प्रतिपादित किया।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- **माधवाचार्य** (13वीं शताब्दी) वैष्णव संत थे जिन्होंने द्वैत (Dualism) दर्शन का प्रतिपादन किया था। वह सगुण भक्ति (ईश्वर को गुणों और रूप के साथ पूजना) के समर्थक थे और उन्होंने विष्णु की भक्ति पर ज़ोर दिया।
- निर्गुण भक्ति (निराकार, गुणरहित ईश्वर की पूजा) का प्रचार मुख्य रूप से कबीर, नानक जैसे संतों ने किया था, न कि **माधवाचार्य** ने।
- रामानंद (14वीं शताब्दी) उत्तर भारत में राम भक्ति परंपरा के सबसे प्रमुख संत थे।
- वल्लभाचार्य (15वीं शताब्दी) ने कृष्ण भक्ति पर आधारित शुद्धाद्वैत दर्शन का प्रतिपादन किया और पुष्टिमार्ग (भगवान के अनुग्रह का मार्ग) की स्थापना की।
- निम्बार्क (13वीं शताब्दी) ने द्वैताद्वैत (द्वैत और अद्वैत दोनों) दर्शन का प्रतिपादन किया, जिसमें उन्होंने कृष्ण और राधा की भक्ति पर ज़ोर दिया।

8. भारत की एक राष्ट्र के रूप में पहचान को दृश्य माध्यम से संबद्ध करने हेतु किस चित्रकार ने सर्वप्रथम भारत माता के चित्र की रचना की थी ?

(1) रबीन्द्रनाथ टैगोर (2) गगनेन्द्रनाथ
(3) अबनीन्द्रनाथ (4) बंकिमचंद्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- भारत की एक राष्ट्र के रूप में पहचान को दृश्य माध्यम से संबद्ध करने हेतु सर्वप्रथम भारत माता के चित्र की रचना अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। यह चित्र 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान बनाया गया था।
- अबनीन्द्रनाथ टैगोर (1871-1951) बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट के प्रमुख कलाकार थे।
- **चित्र का नाम:** मूल रूप से इसे बंगाल माता कहा गया था, लेकिन बाद में इसे भारत माता के रूप में लोकप्रिय पहचान मिली।
- **महत्व:** इस चित्र में भारत माता को एक संन्यासिनी के रूप में चित्रित किया गया है, जो हाथ में पुस्तक, धान की बालियाँ, श्वेत वस्त्र और रुद्राक्ष की माला लिए हुए हैं, जो उन्हें अन्नपूर्णा, विद्यादायिनी, दीक्षा और वस्त्र की प्रदाता के रूप में दर्शाती है। यह चित्र राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रवाद का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया।
- बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने **'वंदे मातरम्'** गीत की रचना की थी, जिसे भारत माता की अवधारणा का साहित्यिक आधार माना जाता है, लेकिन उन्होंने चित्र की रचना नहीं की थी।

9. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के उदारवादी चरण (1885 - 1905 ई.) सम्बन्धी निम्न कथनों को पढ़िये :

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

A. आधुनिक यूरोप की समृद्ध लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक संस्कृति का समर्थन किया था।
B. ब्रिटिश साम्राज्यवाद के आर्थिक पहलू की कड़ी आलोचना की थी।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(1) न तो A और न ही B सत्य है।
(2) केवल A सत्य है।
(3) केवल B सत्य है।
(4) A और B दोनों सत्य हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का उदारवादी चरण (1885-1905) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शुरुआत के दो दशकों को संदर्भित करता है। इस दौरान, नेता मुख्य रूप से संवैधानिक तरीकों और ब्रिटिश शासन में विश्वास के माध्यम से सुधारों की मांग करते थे।
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का उदारवादी चरण आधुनिक यूरोप की समृद्ध लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक संस्कृति का समर्थन किया था। उदारवादी नेता, जैसे दादाभाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले और फिरोजशाह मेहता, ब्रिटिश शासन को वरदान मानते थे। उनका मानना था कि ब्रिटिश संस्थाएँ (जैसे संसद, कानून का शासन) और पश्चिमी शिक्षा भारत को लोकतंत्र और वैज्ञानिक विकास की ओर ले जाएंगी। वे ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर ही स्वशासन प्राप्त करना चाहते थे।
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के उदारवादी चरण में ब्रिटिश साम्राज्यवाद के आर्थिक पहलू की कड़ी आलोचना की गई। हालाँकि उदारवादी ब्रिटिश शासन के राजनीतिक संस्थानों के प्रशंसक थे, लेकिन वे ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के कट्टर आलोचक थे। दादाभाई नौरोजी ने 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' (Drain of Wealth) का सिद्धांत दिया, जबकि आर.सी. दत्त ने भारत के आर्थिक इतिहास पर लिखा, यह दर्शाते हुए कि ब्रिटिश नीतियाँ (भूमि राजस्व, मुक्त व्यापार नीतियाँ और उच्च सैन्य खर्च) किस तरह भारत के धन का शोषण कर रही थीं और गरीबी बढ़ा रही थीं।

9. 1952 में भारत सरकार ने निम्नलिखित में से किसको माध्यमिक शिक्षा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था?
(1) लक्ष्मण स्वामी मुदालियर (2) एस. राधाकृष्णन
(3) डी. एस. कोठारी (4) पी.सी. महलनोबिस
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- 1952 में भारत सरकार ने माध्यमिक शिक्षा आयोग का अध्यक्ष लक्ष्मण स्वामी मुदालियर को नियुक्त किया था। इस आयोग को आमतौर पर **मुदालियर आयोग** के नाम से जाना जाता है।
- **आयोग का नाम:** माध्यमिक शिक्षा आयोग
- **अध्यक्ष:** डॉ. ए. लक्ष्मण स्वामी मुदालियर, जो उस समय मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति थे।
- **नियुक्ति:** 23 सितंबर, 1952
- **उद्देश्य:** भारत की तत्कालीन माध्यमिक शिक्षा प्रणाली में समस्याओं की जाँच करना और उसके पुनर्गठन एवं सुधार के लिए सुझाव देना।
- **सिफारिशें:** इस आयोग ने त्रि-भाषाई सूत्र (Three-Language Formula), उच्च माध्यमिक स्तर पर विविधीकृत पाठ्यक्रम और बहुउद्देशीय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण सिफारिशें दी थीं।
- **एस. राधाकृष्णन -** विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49)
- **डी. एस. कोठारी -** शिक्षा आयोग (1964-66)

10. किस राजनीतिक दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने संविधान सभा को भंग कर उसका पुनर्निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर करने को कहा था?
(1) मुस्लिम लीग (2) हिंदू महासभा
(3) समाजवादी दल (4) स्वराज दल
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- समाजवादी दल (Socialist Party) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने संविधान सभा को भंग कर उसका पुनर्निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर करने को कहा था। 1947-1948 में, समाजवादी दल ने (जिसके प्रमुख नेताओं में जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया शामिल थे) यह माँग रखी थी कि मौजूदा संविधान सभा, जिसका चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से सीमित मताधिकार के आधार पर हुआ था, उसे भंग कर दिया जाए। समाजवादी नेताओं का मानना था कि संविधान सभा भारत की जनता का सही प्रतिनिधित्व नहीं करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि संविधान सभा का पुनर्निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर किया जाना चाहिए, ताकि यह संस्था सच्चे मायने में लोकतांत्रिक हो। हालाँकि, कांग्रेस के प्रभुत्व के कारण यह माँग स्वीकार नहीं की गई और वर्तमान संविधान सभा ने ही भारत का संविधान बनाना जारी रखा।

2023

11. अरब यात्री सुलेमान ने किस प्रतिहार राजा के शासन काल में भारत की यात्रा की थी?
(1) नागभट्ट द्वितीय (2) नागभट्ट प्रथम
(3) वत्सराज (4) मिहिरभोज प्रथम
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- गुर्जर प्रतिहार वंश के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा मिहिर भोज प्रथम (730-756) के शासनकाल में अरबी यात्री सुलेमान भारत आया था।

12. चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती का विवाह किस राजवंश में कर अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाया ?
(1) लिच्छवि वंश (2) कदम्ब वंश
(3) वाकाटक वंश (4) नाग वंश
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

व्याख्या:-

- प्रभावती गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री थी।
- प्रभावती गुप्त का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय के साथ 380 ई. के आसपास हुआ था।

13. भरहुत का स्तूप किस राजवंश की कला का सुंदर उदाहरण है?

(1) चोल स्थापत्य
(2) कुषाणयुगीन स्थापत्य
(3) गुप्तकाल स्थापत्य
(4) शुंगकालीन स्थापत्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- भरहुत स्तूप शुंग वंश की स्थापत्य कला का एक अद्भुत उदाहरण है।
- भरहुत भारत के मध्य प्रदेश राज्य में सतना जिले में स्थित एक गाँव है जो अपने प्राचीन बौद्ध स्तूप, कलाकृतियों एवं अन्य पुरातात्विक वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध है।

14. 'ललित विग्रहराज' नाटक की रचना किसने की थी?

(1) हेमचन्द्र (2) कल्हण
(3) सोमदेव (4) महेश
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- विग्रहराज चतुर्थ (बिसलदेव) के दरबारी कवि सोमदेव ने उनके सम्मान में नाटक ललित विग्रहराज लिखा था।
- विग्रहराज चतुर्थ चौहान वंश के शासक थे।

15. कृष्णदेव राय द्वारा निम्नलिखित किस कवि को 'आध्रं कवि पितामह' की उपाधि दी गयी थी?

(1) अल्लासानी पेद्दाना
(2) भट्टुमूर्ति
(3) तेनाली रामकृष्ण
(4) पिंगली सूरन्ना
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- कृष्णदेव राय द्वारा अल्लासानी पेद्दाना को तेलुगू में पहली प्रमुख काल्पनिक कविता के निर्माण के कारण आंध्र कवि पितामह की उपाधि दी गई थी।

16. अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में निर्मित किस इमारत में बौद्ध स्थापत्य कला का अनुसरण किया गया था?

(1) शेख सलीम चिश्ती का मकबरा
(2) बुलंद दरवाजा
(3) पंचमहल
(4) तुर्की सुल्ताना का महल
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- पंच महल मुगल सम्राट अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में निर्मित एक महल है। इसमें बौद्ध मंदिर डिजाइन विशेषताओं को शामिल किया गया है।

17. गोपाल कृष्ण गोखले ने भारत सेवक समाज (Servants of India Society) की स्थापना किस वर्ष में की?

(1) 1907 (2) 1906
(3) 1904 (4) 1905
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- गोपाल कृष्ण गोखले ने वर्ष 1905 में सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी की स्थापना पुणे, महाराष्ट्र में की थी।
- इसका उद्देश्य विभिन्न जातियों और धर्मों के भारतीय नवयुवकों को एकजुट करना और कल्याण कार्यों में प्रशिक्षित करना था। यह देश का पहला धर्मनिरपेक्ष संगठन था।

18. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के सितंबर 1920 में कलकत्ता में आयोजित विशेष अधिवेशन जिसमे असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया, उसके अध्यक्ष कौन थे?

(1) दादाभाई नौरोजी
(2) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(3) लाला लाजपत राय
(4) विजय राघवाचारी
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विशेष अधिवेशन 4 से 9 सितंबर, 1920 के बीच लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

19. निम्न में से किस सूफी संप्रदाय के प्रसार मुख्यत: सिंध, मुल्तान और पंजाब तक सीमित था?

(1) कादिरी (2) नक्शबंदी
(3) सुहरावर्दी (4) चिश्ती
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- सुहरावर्दी सूफी संप्रदाय अबू अल-नजीब सुहरावर्दी द्वारा स्थापित एक सूफी संप्रदाय है। भारत में इस संप्रदाय को संगठित करने का श्रेय बाहाउद्दीन जकरीया को जाता है।
- सुहरावर्दी सूफी संप्रदाय का मुख्यालय मुल्तान में था। इसके अलावा ये सिंध और पंजाब मे भी लोकप्रिय था।

2021

20. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए –

सूची-I		सूची-II	
A.	हावड़ा षड्यंत्र केस	(i)	मास्टर अमीचंद (अमीरचंद)
B.	लाहौर षड्यंत्र केस	(ii)	अरविन्द घोष
C.	दिल्ली षड्यंत्र केस	(iii)	जतिन्द्रनाथ मुखर्जी
D.	अलीपुर षड्यंत्र केस	(iv)	राजगुरु

कूट:

(1) A-iv B-iii C-ii D-i
(2) A-i B-ii C-iii D-iv
(3) A-iii B-iv C-i D-ii

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(4) A-ii B-iii C-iv D-i **[3]**

व्याख्या:-

- हावड़ा षडयंत्र केस – जतिन्द्रनाथ मुखर्जी
- लाहौर पडयंत्र केस – राजगुरु
- लाहौर पडयंत्र केस – मास्टर अमीरचंद (अमीर चंद)
- अलीपुर पडयंत्र केस – अरविंद घोष

21. विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1871 ई. में राजमुन्द्री सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन स्थापित किया गया था-

(1) वीरेशलिंगम द्वारा (2) के. रामकृष्ण पिल्लई द्वारा
(3) के. टी. तेलंग द्वारा (4) गोपालाचारियार द्वारा **[1]**

व्याख्या:-

- विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1878 ई. में राजमुन्द्री सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन की स्थापना – वीरेशलिंगम पंतुलू ने की थी। इन्होंने 11 दिसम्बर 1881 को देश का पहला विधवा पुनर्विवाह आयोजित करवाया।

22. इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइन्स की स्थापना बैंगलोर में कब और किनके प्रयासों से हुई?

(1) 1917 प्रफुल्ल चंद राय (2) 1930, जे. सी. बोस
(3) 1909, जमशेदजी टाटा (4) 1911 मेघनाद साहा **[3]**

व्याख्या:-

- भारतीय विज्ञान संस्थान की परिकल्पना एक शोध संस्थान के रूप में जमशेदजी जी टाटा द्वारा 19वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में की गई थी।
- इस परिकल्पना से लगभग 13 वर्षों के लम्बे अंतराल के पश्चात् 27 मई, 1909 को इस संस्थान की स्थापना की गई।

23. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए –

सूची-I तीर्थंकर		सूची-II उनके संज्ञान	
A.	पार्श्वनाथ	(i)	वृषभ
B.	आदिनाथ	(ii)	सिंह
C.	महावीर	(iii)	सर्प
D.	शांतिनाथ	(iv)	हिरण

कूट:

(1) A-ii B-iii C-iv D-i
(2) A-iv B-iii C-ii D-i
(3) A-i B-ii C-iii D-iv
(4) A-iii B-i C-ii D-iv **[4]**

व्याख्या:-

तीर्थंकर	उनके संज्ञान
पार्श्वनाथ	सर्प
आदिनाथ	वृषभ
महावीर	सिंह
शांतिनाथ	हिरण

24. मौर्य कालीन मूर्तियों में, मणिभद्र (यक्ष) नाम से अंकित मूर्ति किस स्थान से प्राप्त हुई हैं?

(1) झींग-का-नगरा (2) नोह ग्राम
(3) बेसनगर (4) परखम **[4]**

व्याख्या:-

- मौर्यकालीन मूर्तियों में मणिभद्र (यक्ष) नाम से अंकित मूर्ति परखम से प्राप्त हुई है। परखम, उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित है।

25. भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान, कनकलता बरूआ नामक एक कन्या ने जनता का एक जुलूस निकाला और पुलिस की परवाह न करते हुए थाने में घुसने के प्रयास में गोली खाई। यह घटना किस स्थान की है?

(1) सोनितपुर (2) मिदनापुर
(3) कोरापुर (4) गोहपुर **[4]**

व्याख्या:-

- भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान, 20 सितंबर, 1942 को कनकलता बरूआ नामक एक कन्या ने जनता का एक जुलूस निकाला और पुलिस की परवाह न करते हुए थाने में घुसने के प्रयास में गोली खाई। यह घटना गोहपुर की है।

26. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए

सूची-I		सूची-II	
A.	व्रीही	(i)	गन्ना
B.	मुदग	(ii)	चावल
C.	यव	(iii)	मूँग
D.	इक्षु	(iv)	जौ

कूट -

	A	B	C	D
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

[4]

व्याख्या:-

- ब्रीहि – चावल
- मुदग – मूंग
- यव – जौ
- इक्षु – गन्ना

27. बयाना दुर्ग स्थित वरिक विष्णुवर्धन विजय स्तम्भ किस काल का माना जाता है?

(1) सल्तनत काल (2) मुगल काल
(3) मौर्य काल (4) गुप्त काल **[4]**

व्याख्या:-

- बयाना दुर्ग स्थित वरिक विष्णुवर्धन विजय स्तम्भ गुप्तकाल का माना जाता है क्योंकि यहाँ गुप्तकाल के सिक्के व अन्य साक्ष्य मिले हैं।

28. आहड़ सभ्यता के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
(A) आहड़वासी तांबा गलाना जानते थे।
(B) ये लोग चावल से परिचित नहीं थे
(C) धातु का काम आहड़वासियों की अर्थव्यवस्था का एक साधन था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(D) यहाँ से काले – लाल रंग मद्भाण्ड मिले हैं, जिन पर सामान्यतः सफेद रंग से ज्यामितीय आकृतियाँ उकेरी गई हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) A, C एवं D सही हैं। (2) A एवं B सही हैं।
(3) A, B एवं C सही हैं। (4) C एवं D सही हैं। **[1]**

व्याख्या:-

- आहड़ सभ्यता एक ताम्रकालीन संस्कृति है जो दक्षिण-पूर्व राजस्थान में आहड़ नदी के तट पर ईसापूर्व 3000 से ईसापूर्व 1500 तक फली-फूली। आहड़वासी ताँबा गलाना जानते थे। यहाँ खुदाई में धान की खेती, पालतू मवेशी, बहुत कम संख्या में पालतू भेड़, बकरी, बैल, सूअर और कुत्तों की अस्थियाँ भी मिली थी। धातुकर्म आहड़वासियों की अर्थव्यवस्था का एक साधन था। यहाँ के काले-लाल रंग के मृद्भांड मिले है, जिन पर सामान्यत: सफेद रंग से ज्यामितीय आकृतियाँ उकेरी गई हैं।

29. सेन्ट्रल इलेक्ट्रोकेमिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट की स्थापना अलगप्पा चेटियार, डॉ. शांति स्वरूप भटनागर एवं पं. जवाहरलाल नेहरू के प्रयासों से कहाँ और कब की गई?

(1) लखनऊ, 1951
(2) कराईकुड़ी, 1953
(3) चेन्नई, 1948
(4) शिवगंगा, 1953 **[2]**

व्याख्या:-

- 25 जुलाई, 1948 को केंद्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान की स्थापना कराईकुडी (तमिलनाडु) में की गई।
- यह संस्थान अलगप्पा चेटियार, पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा डॉ. शांतिस्वरूप भटनागर के राष्ट्र को समर्पित प्रयासों का परिणाम है।
- जनवरी 14, 1953 को स्वप्न साकार हुआ जब डॉक्टर एस राधाकृष्णन ने इस संस्थान को सी एस आई आर (CSIR) की 12वीं राष्ट्रीय प्रयोगशाला के रूप में राष्ट्र को समर्पित किया।
- चैन्नई, मंडपम एवं तूतीकोरिन में इसके विस्तार केन्द्र हैं।

30. निम्न कथनों पर विचार कीजिये और दिये गये कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये –

कथन 1: विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय ने अमुक्तामाल्यद ग्रंथ की रचना की।

कथन 2: कृष्णदेवराय को आन्ध्र भोज के नाम से भी जाना जाता है।

कथन 3: उनके दरबार को अल्लसानी पेड्डना नामक राजकवि सुशोभित करता था, जो संस्कृत एवं तमिल दोनों भाषाओं का ज्ञाता था।

कूट –

(1) कथन 1 सही है
(2) कथन 2 सही है
(3) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं
(4) सभी तीनों कथन सही हैं **[3]**

व्याख्या:-

- विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय ने अमुक्तमाल्यदा ग्रंथ की रचना की।
- कृष्णदेव राय को आंध्र भोज के नाम से भी जाना जाता है। ये संस्कृत एवं तेलुगू के विद्वान थे।
- कृष्णदेव राय के दरबार में अल्लसानी पेडन्ना नामक राजकवि रहता था जो इनके अष्टदिग्गज में शामिल था। ये संस्कृत तथा तेलगु भाषाओं के ज्ञाता थे।

31. निम्नलिखित में से कौन कौन-से सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित हैं?

(i) अनेकान्तवाद (ii) सर्वस्तिवाद
(iii) शून्यवाद (iv) स्यादवाद

नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए -

(1) (i) एवं (iv) (2) (ii) एवं (iv)
(3) (i), (ii) एवं (iii) (4) (ii) एवं (iii) **[1]**

व्याख्या:-

- अनेकान्तवाद तथा स्यादवाद सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित हैं। ये जैन धर्म के मान्य सिद्धांत हैं।
- स्यादवाद का अर्थ सापेक्षतावाद होता है। यह जैन दर्शन के अंतर्गत किसी वस्तु के गुण को समझने और अभिव्यक्ति करने का सापेक्षिक सिद्धांत है।
- सर्वस्तिवाद तथा शून्यवाद का संबंध बौद्ध धर्म से है।

2018
Indian History

32. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सत्य है/हैं?

(1) कांग्रेस के नागपुर सत्र (1920) के पश्चात प्रांतीय कांग्रेस समितियों का गठन भाषायी आधार पर किया गया था।

(2) 1948 में कांग्रेस ने भाषायी आधार पर प्रान्तों के गठन की माँग को अस्वीकार कर दिया।

निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए-

(1) केवल 1
(2) केवल 2
(3) ना तो 1 ना ही 2
(4) 1 और 2 दोनों **[4]**

व्याख्या:-

- कांग्रेस के नागपुर सत्र (1920) के पश्चात् प्रांतीय कांग्रेस समितियाँ का गठन भाषायी आधार पर किया गया था।
- 1948 में कांग्रेस ने भाषायी आधार पर प्रांतों के गठन की माँग को अस्वीकार कर दिया गया।

33. केन्द्रीय विधानसभा का/के निम्नांकित में से कौन-सा/से निर्वाचन भारत शासन अधिनियम, 1919 के तहत् हुआ/हुए?

(A) 1926 (B) 1937 (C) 1945

कूट-

(1) केवल (A) (2) केवल (B) और (C)
(3) केवल (A) और (C) (4) (A), (B) और (C) **[3]**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

व्याख्या:-

- 1926 तथा 1945 के निर्वाचन भारत शासन अधिनियम (मॉण्टेक्यू - चैम्सफोर्ड सुधार) के तहत् हुए थे।

34. 'गाँधीयन कॉन्स्टीट्यूशन फॉर फ्री इण्डिया' किसने लिखी?

(1) अरुणा आसफ अली (2) अच्युत पटवर्धन
(3) श्रीमन नारायण अग्रवाल (4) हुमायूँ कबीर **[3]**

व्याख्या:-

- "गाँधीयन कॉन्स्टिट्यूशन फॉर फ्री इण्डिया " पुस्तक के लेखक श्रीमन नारायण अग्रवाल थे। ये पुस्तक संविधान निर्माण के 6 माह पूर्व प्रकाशित की गई थी जिसका विषय था " स्वतंत्र भारत के लिए गाँधी का संविधान"। इसकी भूमिका स्वयं महात्मा गाँधी द्वारा लिखी गयी थी। श्रीमन नारायण गुजरात के राज्यपाल (1967-1973) भी रहे।

35. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

राजवंश		राजधानी	
A.	शुंग	I.	महोबा
B.	सातवाहन	II.	बनवासी
C.	कदम्ब	III.	पैठन
D.	चन्देल	IV.	पाटलिपुत्र

सही कूट का चयन कीजिए –

	A	B	C	D
(1)	IV	III	II	I
(2)	IV	II	III	I
(3)	I	IV	II	III
(4)	I	II	III	IV

[1]

व्याख्या:-

राजवंश	राजधानी
शुंग	पाटलिपुत्र (बिहार)
सातवाहन	पैठन (महाराष्ट्र)
कदम्ब	बनवासी (कर्नाटक)
चन्देल	महोबा (मध्यप्रदेश)

36. मंदिर स्थापत्य के बारे में निम्नलिखित में से कौन–से कथन सत्य हैं?

(अ) स्वतंत्र आधार (चूना-पत्थर) के मंदिरों का उद्भव गुप्तकाल में माना जाता है।
(ब) लाड़खाँ, जो कि एक प्रारंभिक मंदिर है, बादामी के चालुक्यों से संबद्ध है।
(स) खजुराहों के मंदिरों में, मंदिर के समस्त खण्ड आंतरिक और बाह्य रूप से जुड़े हुए हैं।
(द) कांची का कैलाशनाथ मंदिर द्रविड़ शैली का सबसे प्रारंभिक स्वतंत्र आधार का मंदिर है।

सही उत्तर चुनिए-

(1) (अ), (स) एवं (द) (2) (अ) एवं (ब)
(3) (अ), (ब) एवं (द) (4) (अ), (ब), एवं (स) **[4]**

व्याख्या:-

- स्वतंत्र आधार (चूना पत्थर) के मंदिरों का उद्भव गुप्तकाल में माना जाता है जिसका प्रथम मंदिर देवगढ़ का दशावतार मंदिर था।
- लाडखाँ मंदिर बादामी के चालुक्यों द्वारा बनवाया गया चूना पत्थर निर्मित मंदिर है।
- खजुराहों मंदिर निर्माण 9वीं सदी में चंदेल शासकों द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के समस्त खण्ड बाह्य व आंतरिक रूप से जुड़े हुए है। यह मन्दिर यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल है।
- द्रविड़ शैली का प्रारंभिक चूना पत्थर का स्वतंत्र आधार वाला तंजावुर का वृहदेश्वर मंदिर तथा महाबलिपुरम मंदिर है, जो कि 7वीं सदी में निर्मित हुआ है।

37. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन प्राचीन भारत की श्रेणी व्यवस्था के बारे में असत्य है?

(1) श्रेणी व्यापारियों और कारीगरों का संगठन थी।
(2) उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता और कीमत संबंधित श्रेणी द्वारा निर्धारित की जाती थी।
(3) श्रेणी अपने सदस्यों के आचरण पर भी नियंत्रण रखा करती थी।
(4) श्रेणी व्यवस्था मात्र उत्तर भारत में प्रचलित थी। **[4]**

व्याख्या:-

- प्राचीन भारत की श्रेणी व्यवस्था के अन्तर्गत श्रेणियों में मूलतः व्यापारियों और शिल्पकारों का संघ होता था। श्रेणी का मुख्य उद्देश्य सदस्यों की सहायता करना था। साथ ही यह व्यवस्था सदस्यों के आचरण को भी नियंत्रित करती थी।
- पेशे के आधार पर इन संगठनों द्वारा वस्तुओं की गुणवत्ता तथा कीमतों का निर्धारण किया जाता था। चेट्टी व शेट्टी दक्षिण भारत में कार्यरत प्रमुख शिल्पकारी व्यापारिक संगठन (श्रेणी) था।
- श्रेणी व्यवस्था संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचलित थी।

38. दिल्ली सल्तनत में दीवान-ए-अर्ज विभाग की स्थापना किसने की?

(1) बलबन (2) इल्तुतमिश
(3) अलाउद्दीन खिलजी (4) फिरोज तुगलक **[1]**

व्याख्या:-

- दीवान-ए-अर्ज (सेना विभाग) विभाग की स्थापना बलबन ने की थी।
- दीवान-ए-अर्ज विभाग का कार्य-
  (1) सेना में भर्ती करना।
  (2) अस्त्र-शस्त्र का रखरखाव।

39. वरकरी संप्रदाय की मुख्य पीठ अवस्थित है-

(1) शृंगेरी में (2) पंढरपुर में
(3) नदिया में (4) वाराणसी में **[2]**

व्याख्या:-

- वरकरी सम्प्रदाय के लोग श्रीकृष्ण को प्रतीक के रूप में पूजनीय मानते है।
- इस संप्रदाय की मुख्य पीठ पंढरपुर (महाराष्ट्र) में है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- वरकरी संप्रदाय महाराष्ट्र के भक्ति आंदोलन से एक शाखा के रूप में निकला था जिसे संत तुकाराम तथा एकनाथ ने संपूर्ण महाराष्ट्र में फैलाया। इसमें ब्रह्मा को निर्गुण माना गया है।

40. निम्नलिखित घटनाओं का सही कालक्रम चुनिए-

(अ) लखनऊ समझौता
(ब) स्वराज दल की स्थापना
(स) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड
(द) बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु

निम्नलिखित में कूट में से उत्तर चुनिए–

(1) (अ), (द), (स) एवं (ब)
(2) (द), (स), (अ) एवं (ब)
(3) (अ), (स), (द) एवं (ब)
(4) (अ), (ब), (स) एवं (द) **[3]**

व्याख्या:-

- लखनऊ समझौता 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के मध्य सम्पन्न हुआ। कांग्रेस लीग समझौते से मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों तथा जिन प्रान्तों में वे अल्पसंख्यक थे, वहाँ पर उन्हें अनुपात से अधिक प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था की गई।
- जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड 13 अप्रैल, 1919 को पंजाब प्रान्त के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित जलियाँवाला बाग में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध की जा रही सभा पर जनरल डायर ने गोलीबारी कराया।
- बाल गंगाधर तिलक, स्वराज के प्रणेता की मृत्यु 1 अगस्त, 1920 को मुंबई में हुई।
- स्वराज पार्टी की स्थापना 1 जनवरी, 1923 को देशबन्धु चित्तरंजन दास तथा मोतीलाल नेहरू ने की थी।

41. निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म सुमेलित नहीं है?

	संस्था	प्रवर्तक
(1)	सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	जी. के. गोखले
(2)	सोशल सर्विस लीग	एन. एम. जोशी
(3)	सेवा समिति	एच. एन. कुंजरू
(4)	सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन	श्रीराम वाजपेयी

[4]

व्याख्या:-

संस्था	प्रवर्तक व्यक्ति
सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	गोपालकृष्ण गोखले
सोशल सर्विस लीग	एन. एम. जोशी
सेवा समिति	एच. एन. कुंजरू
सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन	वीर वीरसलिंगम पंतुलु
सेवा समिति बॉय स्काउट्स एसोसिएशन	श्रीराम वाजपेयी

42. क्रांतिकारी, जो हॉर्डिंग बम काण्ड में शामिल नहीं था-

(1) मास्टर अमीर चंद (2) भगवती चरण वोहरा
(3) भाई बालमुकुन्द (4) अवध बिहारी **[2]**

व्याख्या:-

- लॉर्ड हार्डिंग पर 23 दिसम्बर, 1912 को चाँदनी चौक में एक जुलूस के दौरान एक बम फेंका गया था, जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गए थे। इस विरोध में मास्टर अमीर चंद, भाई बालमुकुन्द और मास्टर अवध बिहारी को 8 मई, 1915 को फाँसी की सजा दी गई।

43. गाँधी-इरविन समझौते में किसने मध्यस्थ की भूमिका अदा की?

(1) मोतीलाल नेहरू (2) तेज बहादुर सप्रू
(3) एनी बेसेन्ट (4) चिन्तामणि **[2]**

व्याख्या:-

- 5 मार्च, 1931 को हुए गाँधी-इर्विन समझौते के तहत् गाँधी द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित करने तथा कांग्रेस द्वारा द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का प्रस्ताव स्वीकार किया।
- 5 मार्च, 1931 को महात्मा गाँधी और इरविन के मध्य हुए समझौते में मध्यस्ता तेज बहादुर सप्रू तथा एम.आर. जयकर ने निभाई थी।

2016

44. निम्न में से भारत सरकार अधिनियम, 1919 के बारे में असत्य कथन को चिह्नित कीजिये–

(1) भारत सरकार अधिनियम 1919, 1921 में लागू हुआ।
(2) यह अधिनियम मार्ले-मिन्टो सुधार अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है।
(3) मॉण्टेग्यू भारत के राज्य सचिव एवं लॉर्ड चेम्सफोर्ड भारत के वायसराय थे |
(4) इस अधिनियम में केन्द्रीय एवं प्रान्तीय विषयों को अलग कर दिया गया था। **[2]**

व्याख्या:-

- मार्ले- मिण्टो सुधार अधिनियम 1909 का है।
- 1919 के भारत सरकार अधिनियम को माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम के नाम से जाना जाता है।
- 1919 के इस अधिनियम की विशेषताएँ- केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका अर्थात् प्रथम राज्यपरिषद् तथा दूसरी केन्द्रीय विधानसभा तथा सामुदायिक निर्वाचन का दायरा बढ़ाकर सिखों तक कर दिया गया।

45. निम्न में से एक भारत सरकार अधिनियम, 1935 की मुख्य विशेषताओं में से नहीं थी-

(1) यह प्रान्तीय स्वायत्तता के सूत्रपात का संकेत था।
(2) इस अधिनियम में अखिल भारतीय महासंघ का प्रावधान था।
(3) इसने प्रान्तीय स्तर पर द्वैध शासन प्रणाली को समाप्त कर केन्द्र में लागू किया।
(4) अवशिष्ट विषय प्रांतीय विधायिकाओं को आवंटित किए गए थे। **[4]**

व्याख्या:-

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–
  (i) इस अधिनियम में प्रान्तों को स्वायत्तता प्रदान की गई।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(ii) इन अधिनियम में अखिल भारतीय महासंघ का प्रावधान था।
(iii) इस अधिनियम के तहत् केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बँटवारा किया गया तथा राज्य में द्वैध शासन समाप्त कर केन्द्र में द्वैध शासन लागू किया गया।
(iv) दलित जातियों, महिलाओं और मजदूर वर्ग के लिए अगल से निर्वाचन की व्यवस्था की गई।
(v) वर्मा (म्यांमार) को भारत से अलग कर दिया।
(vi) इण्डियन कौंसिल को समाप्त कर दिया।
(vii) एक संघीय न्यायालय तथा एक केन्द्रीय बैंक की स्थापना का प्रावधान।
(viii) संघीय न्यायालय के ऊपर प्रीवी कौंसिल का निर्माण।

46. निम्नलिखित में से कौन सा एक युग्म सुमेलित नहीं है?
(1) रिंग फेंस की नीति-वारेन हेस्टिंग्ज
(2) ठगी का दमन - विलियम बैंटिक
(3) वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट - कर्जन
(4) इल्बर्ट बिल - रिपन [3]

व्याख्या:-
- **घेरे की नीति-(1765-1813)-** हैस्टिंग्स कार्यकाल में सर्वप्रथम मैसूर, मराठा युद्ध के दौरान की।
- **ठगी कादमन-** लार्ड विलियम बैंटिक एवं हेनरी स्लीमेन ने
- **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट** लार्ड लिटन कार्यकाल में
- **इल्बर्ट बिल-** 25 जनवरी, 1883 में लॉर्ड रिपन के कार्यकाल में

47. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए-
कथन A : 19वीं सदी के सामाजिक धार्मिक आन्दोलनों के कारण भारत का आधुनिकीकरण हुआ।
कारण R : सामाजिक, धार्मिक आन्दोलनों के मूल में बुद्धिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अन्य ऐसे विचार थे, जो आधुनिकता के आधार माने जाते हैं।
निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए -
(1) A सही है, किन्तु R गलत है।
(2) R सही है, किन्तु A गलत है।
(3) A और R दोनों सही हैं, किन्तु A की सही व्याख्या R नहीं करता।
(4) A और R दोनों सही हैं, और A की सही व्याख्या R है। [4]

व्याख्या:-
- सामाजिक, धार्मिक आन्दोलनों के मूल में बुद्धिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अन्य ऐसे विचार थे जो आधुनिकता के आधार माने जाते हैं। इसलिए भारत में 19वीं सदी के सामाजिक धार्मिक आन्दोलनों के कारण भारत का आधुनिकीकरण हुआ।

48. निम्न में से किन ग्रन्थों में प्राचीन भारत के सोलह महा-जनपदों (षोड़श महा - जनपद) की सूची मिलती है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:
I. अर्थशास्त्र **II. अंगुत्तर निकाय**
III. दीघ निकाय **IV. भगवती सूत्र**
कूट :
(1) I और II (2) II और IV
(3) I, II और III (4) II, III और IV [2]

व्याख्या:-
- प्राचीन भारत के सोलह महा- जनपदों में अंगुत्तर निकाय व भगवती सूत्र है।

49. सत्यकाम जाबाल की कथा, जो अनब्याही माँ होने के लांछन को चुनौती देती है, उल्लिखित है-
(1) छान्दोग्य उपनिषद्
(3) कठोपनिषद्
(2) जाबाल उपनिषद्
(4) प्रश्नोपनिषद् [1]

व्याख्या:-
- सत्यकाम जाबाल की कथा - वह जो सत्य या सत्य की इच्छा रखता है जो स्वयं ब्रह्म है। वह एक नौकरानी और वेश्या का बेटा था! बड़े होकर वह ज्ञान प्राप्त करना चाहते थे जो उपनिषदों के अनुसार ब्रह्म विद्या है। छान्दोग्य उपनिषद मे अविवाहित माँ होने के कलंक को चुनौती दी। वे गौतम ऋषि के अनुयायी थे।

50. संस्कृत की निम्नलिखित में से कौन सी रचनाओं ने महाभारत से अपना कथासूत्र लिया है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
I. नैषधीयचरित
II. किरातार्जुनीयम्
III. शिशुपालवध
IV. दशकुमारचरित
कूट :
(1) I और III
(2) II और III
(3) I, II और III
(4) II, III और IV [3]

व्याख्या:-
- श्री हर्ष द्वारा रचित– नेषधीयचरित
- भारवि द्वारा रचित– किरातार्जुनीयम्
- कवि माघ द्वारा रचित– शिशुपालवध

51. निम्नलिखित सूर्य मन्दिरों में कौन–सा पाटन, गुजरात में स्थित है?
(1) कोणार्क (2) मोढ़ेरा
(3) मार्तण्ड (4) दक्षिणार्क [2]

व्याख्या:-

मंदिर	स्थान
कोणार्क	पुरी (ओडिशा)
मोठेरा	पाटन (गुजरात)
मार्तण्ड	अनंतनाग (कश्मीर)
दक्षिणार्क	गया (बिहार)

52. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है?
(1) रजिया सुल्तान - दिल्ली

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(2) बहादुर शाह - गुजरात
(3) बाज बहादुर - मालवा
(4) चाँदी बीबी - अवध **[4]**

व्याख्या:-

- चाँद बीबी जिन्हें चाँद खातुन या चाँद सुल्ताना के नाम से जाना जाता है। चाँद बीबी का मकबरा अहमदनगर में स्थित है।

53. नवीं शताब्दी ई. में निम्नलिखित में से किसके द्वारा चोल साम्राज्य की नींव डाली गयी?
(1) विजयालय
(2) कृष्ण प्रथम
(3) परांतक
(4) राजराज चोल **[1]**

व्याख्या:-

- विजयालय (850-887 ई.) के द्वारा चोल साम्राज्य की नींव डाली गई थी। इसकी राजधानी तंजौर थी। राजेन्द्र चोल ने भारतीय संस्कृति और राज्य का विस्तार विदेशों में किया।

54. 16वीं शताब्दी में संपन्न महाभारत का फारसी अनुवाद कहलाता है–
(1) हमज़ानामा
(3) बादशाहनामा
(2) आलमगीरनामा
(4) रज्मनामा **[4]**

व्याख्या:-

- 16वीं शताब्दी में सम्पन्न महाभारत का फारसी अनुवाद 'रज्मनामा' कहलाता है। यह अनुवाद बदायूँनी, नकीब खाँ एवं अब्दुल कादिर ने किया।

55. निम्नलिखित में से कौन चिश्ती सिलसिले से संबद्ध नहीं है?
(1) शेख मुइनुद्दीन
(2) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(3) शेख निजामुद्दीन औलिया
(4) शेख अब्दुल जिलानी **[4]**

व्याख्या:-

- **चिश्ती सम्प्रदाय-** भारत का सबसे प्राचीन सम्प्रदाय
- **चिश्ती सम्प्रदाय के अन्य संत**- बख्तियार काकी, बाबा फरीद शेख, हजरत निजामुद्दीन औलिया। चिश्ती सम्प्रदाय की प्रमुख मजार- अजमेर।

2015

56. सम्प्रदाय, जो नियति की अटलता में विश्वास करता था-
(1) आजीवक (2) चार्वाक
(3) बौद्ध (4) जैन **[1]**

व्याख्या:–

- भारतीय दर्शन और इतिहास के अध्येताओं के अनुसार आजीवक संप्रदाय की स्थापना मक्खलि गोशाल (गोशालक) ने की थी।
- आजीवक श्रमण नग्न रहते और परिव्राजकों की तरह घूमते थे।
- भिक्षा माँगकर जीविका चलाते थे।
- ईश्वर या कर्म में उनका विश्वास नहीं था किन्तु वे नियतिवादी थे।
- इनके विचार भगवती-सूत्र तथा समाज पफल सूत्र में मिलते हैं।

57. सुमेलित कीजिए-

	वास्तु शैली	संबद्ध राजवंश	
(A)	मेहराब की निचली सतह पर कमलकलि की झालर	I	शर्की
(B)	अष्टभुजीय मकबरों का उदय	II	विजयनगर
(C)	स्तम्भों में बोदिगोई का प्रयोग	III	खिलजी
(D)	झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	IV	तुगलक

कूट :

	A	B	C	D
(1)	III	I	IV	II
(2)	II	I	IV	III
(3)	I	II	IV	III
(4)	III	IV	II	I

[4]

व्याख्या:–

मेहराब की निचली सतह पर कमलकलि की झालर	खिलजी
अष्टभुजीय मकबरों का उदय	तुगलक
स्तम्भों में बोदिगोई का प्रयोग	विजयनगर
झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	शर्की

58. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन वी.डी. सावरकर के बारे में सही हैं-
A. उन्होंने अभिनव भारत नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
B. भारतीय राष्ट्रवादियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से उन्होंने मैजिनी की जीवनी लिखी।
C. उन्होंने भारत का स्वतंत्रता संग्राम 1857 नामक पुस्तक लिखी जो 1857 के विद्रोह का एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण प्रदान करती है।
D. ब्रिटिश कैद से मुक्त होने के लिए वे एक चलते जहाज से कूद पड़े।
सही उत्तर चुनिये-
(1) केवल C और D (2) केवल A, C और D
(3) केवल A और D (4) A, B, C और D **[4]**

व्याख्या:–

- विनायक दामोदर सावरकर (जन्म: 28 मई, 1883 - मृत्यु: 26 फरवरी, 1966) भारत के क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसुधारक, इतिहासकार, राजनेता तथा विचारक थे।
- हिन्दू राष्ट्रवाद की राजनीतिक विचारधारा 'हिन्दुत्व' को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय सावरकर को जाता है।
- 1904 में उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की थी।
- सावरकर ने 'मेरा आजीवन कारावास' पुस्तक को काला पानी की जेल की दीवारों पर लिखा, जिसे स्वतंत्रता के बाद संकलित किया गया था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

59. महाजनपद युग के 16 जनपदों के नाम बौद्ध साहित्य में प्रायः उल्लिखित मिलते हैं। निम्नलिखित में से किन जनपदों के नाम पाणिनी की अष्टाध्यायी में उल्लिखित हैं?

A. मगध **B. अश्मक**
C. कंबोज **D. चेदि**
E. वत्स

नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनिये-

(1) D और C (2) C, D और E
(3) A, C, D और E (4) A, B और C **[4]**

व्याख्या:–

- प्राचीन भारत की राजनीतिक अवस्था के अध्ययन के लिए हमें पूर्णतया धार्मिक ग्रंथों विशेषकर बौद्ध ग्रंथों पर निर्भर रहना पड़ता है। इन ग्रंथों के अनुसार भारत की राजनीतिक व्यवस्था के संबंध में यह जानकारी प्राप्त होती है
- पाणिनी द्वारा रचित संस्कृत ग्रंथ अष्टाध्यायी में कुल 22 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।
- बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में उल्लिखित 16 महाजनपदों में कौशल, मगध, कंबोज तथा अश्मक आदि के नाम पाणिनी के अष्टाध्यायी में भी उल्लिखित हैं।
- चेदि और वत्स जनपद का उल्लेख अष्टाध्यायी में नहीं है।

60. हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(1) ई. जे. एच. मैके	सुमेर से लोगों का पलायन।
(2) मॉर्टीमर	पश्चिमी एशिया से सभ्यता के विचार का प्रवसन।
(3) अमलानन्द घोष	हड़प्पा सभ्यता का उद्भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणाम-स्वरूप हुआ।
(4) एम. रफीक मुगल	हड़प्पा सभ्यता ने मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली।

[4]

व्याख्या:-

- एम. रफीक मुगल - पाकिस्तान सरकार के पुरातत्व विभाग के निर्देशन में पंजाब पुरातत्व सर्वेक्षण ने पंजाब में सभी प्राचीन बस्तियों की पहचान करने के लिए बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण किया। कुछ बस्तियों में सतही सर्वेक्षणों से ऐसी नैदानिक कलाकृतियों की पहचान हुई जो सिंधु सभ्यता के समकालीन थी।

61. अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार कौन थे?

(1) राजा साहू, शिवाजी के पौत्र
(2) पेशवा बालाजी विश्वनाथ
(3) पेशवा बालाजी राव
(4) नवाब अली बहादुर, पेशवा बालाजी राव प्रथम का पौत्र (मस्तानी नामक पत्नी से) **[1]**

व्याख्या:–

- अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) करने वाले प्रथम मराठा सरदार राजा साहू थे।

62. पंकोदक सन्निरोधे मौर्य प्रशासन द्वारा लिया जाने वाला जुर्माना था-

(1) सड़क पर कीचड़ फैलाने पर
(2) कूड़ा फेंकने पर
(3) मंदिर को गंदा करने पर
(4) पीने के पानी को गंदा करने पर **[1]**

व्याख्या:–

- मौर्य प्रशासन में 'पंकोदक सन्निरोधे' सड़क पर कीचड़ फैलाने पर जुर्माना लगाया जाता था।

63. स्वामी विवेकानन्द द्वारा रामकृष्ण मिशन की स्थापना की गयी–

(1) 1892 में (2) 1898 में
(3) 1897 में (4) 1886 में **[3]**

व्याख्या:–

स्वामी विवेकानंद

- **जन्म–** 12 जनवरी, 1863, कलकत्ता में 1897 में रामकृष्ण परमहंस के शिक्षा तथा विचारों के प्रसार हेतु रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकारी मौर्य प्रशासन का भाग नहीं था?

(1) युक्त (2) प्रादेशिक
(3) राजुक (4) अग्रहारिक **[4]**

व्याख्या:–

- अग्रहारिक- हर्ष के शासनकाल में दान में दी गयी भूमि पर नजर रखने वाला अधिकारी।
- **मौर्य प्रशासन पद**
  (1) युक्त – मुख्य राजस्व अधिकारी के नीचे का पद
  (2) राजुक – जनपद का अधिकारी (पटवारी)
  (3) प्रादेशिक – प्रदेश का अधिकारी (कलेक्टर)
  (4) सान्निधता – मुख्य राजस्व अधिकारी

65. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें तथा निम्नलिखित में से सही उत्तर का कालानुक्रमिक चयन करें-

A. नौजवान भारत सभा का निर्माण
B. स्वराजिस्ट दल का निर्माण
C. दांडी मार्च
D. जलियाँवाला बाग त्रासदी

कूट-

(1) B, A, D, C (2) B, D, C, A
(3) D, B, A, C (4) D, C, B, A **[3]**

व्याख्या:–

घटनाएँ		समय
जलियाँवाला बाग त्रासदी	-	13 अप्रैल, 1919
स्वराजिस्ट दल का निर्माण	-	मार्च, 1923
नौजवान भारत सभा	-	1925
दाण्डी मार्च	-	12 मार्च, 1930

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213